

2) ओं तमेव साधान औं काकी सामानी भी भी शाकी मानानी

3) ओं त्वमेष साक्षा भी नेनी साक्षा भी नेनी सहसार स्वामिनी मो भी निर्मा देश नमो नमः

(85) 100)